



कटनी जिले में संचालित पिछड़ी जनजातियों के सामाजिक, आर्थिक विकास कार्यक्रमों का जनजातियों पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन

विभूति यादव¹ and डॉ. ध्रुव कुमार द्विवेदी²

शोधार्थी (भूगोल), शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)¹

प्राचार्य, सरस्वती विज्ञान महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)²

शोध—सारांश: मनुष्य स्वभावतः एक सामाजिक प्राणी है तथा वह अपने शारीरिक अस्तित्व को बनाए रखने के लिए कुछ आर्थिक आवश्यकताओं का अनुभव करता है। इन आवश्यकताओं में सबसे आधारभूत है—भोजन, वस्त्र एवं आवास। बिना इनको प्राप्त किए मनुष्य का जीवित रहना कठिन हो जायेगा और उसका सामाजिक जीवन भी खतरे में पड़ जायेगा। मानव समाज (सभ्य या असभ्य) की एक विशेषता है कि समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए मनुष्य संगठित होकर प्रयत्न करता है यह संगठित अर्थव्यवस्था को जन्म देते हैं। आदिम अर्थव्यवस्था में संगठन व सहकार्य एवं अपरिहार्य बाध्यता होती है, क्योंकि शक्तिशाली प्रकृति पर विषय पाकर उत्पादन संभव करना, एक मनुष्य के वश की बात नहीं है। शिकारियों के झुण्ड, मछुआरों की टोलियां, पुशपालन के समूह, मजदूरों के झुण्ड यह सभी सहकार्य के लिए विख्यात है। इन्हीं बिन्दुओं को इस शोध पत्र में अध्ययन करने का प्रयास है।

मुख्य शब्द: भारत, सरकार, संचालित, पिछड़ी, जनजातियों, विकास, कार्यक्रमों, प्रभाव, भौगोलिक, अध्ययन आदि।

संदर्भ स्रोत

- [1]. बी.एस. गुहा, 1991
- [2]. ए जेनेटिक ऑफ उरांक्स ऑफ छोटा नागपुर प्लैटो, आर एल कंर्क, एल वाई सी लाइ, जी एच वॉस, एल पी विद्यार्थी, 1962, अमेरिकन जनरल ऑफ फिजिकल एथ्रोपोलॉजी, 20(3), पृ 375—385
- [3]. एन एनशेंट हिस्ट्री : एथनोग्राफिक स्टडी ऑफ द संथाल, अरुण डे, जुलाई— अगस्त, 2015, इंटरनेशनल जनरल ऑफ नॉवेल रिसर्च इन ह्यूमैनिटी एंड सोशल साइंसेज, वॉल्यूम 2, पृ 4, पृ 31—38, आईएसबीएन 23949694
- [4]. झारखंड मूवमेंट—इंडिजीनस पीपुल्स स्ट्रगल फॉर ऑटोनॉमी इन इंडिया, आरडी मुंडा और एस बसु मलिक, कॉपीराइट 2003 आईडब्ल्यूजीआईए और बिरसा, आईएसबीएन 89—90730—72—0 और आईएसबीएन 0105—4503

- [5]. गाइडलाइंस फॉर एलोकेशन ऑफ फंड्स एंड इंप्लीमेंटेशन ऑफ प्रोग्राम्स/एक्टिविटीज अंडर प्रोविजो टु आर्टिकल 275(1) ऑफ द कॉस्टिट्यूशन ऑफ इंडिया ड्यूरिंग 2020–21 एंड ऑनवर्ड्स ऑर्डर नं. 18015/06/2019—ग्रान्ट्स दिनांक 23.04.2020
- [6]. <https://dashboard.tribal.gov.in> द डैशबोर्ड फॉर रियल-टाइम डेटा ऑफ द मिनिस्ट्री ऑफ ट्राइबल अफेयर्स
- [7]. <https://tribal.nic.in> जनजातीय मामलों के मंत्रालयों की सरकारी वेबसाइट है
- [8]. <https://missionanttyodaya.nic.in> भारत सरकार के मंत्रालयों की अफीम के सेवन और संसाधनों के प्रबंधन के लिए यह मिशन अंत्योदय 2020 की सरकारी वेबसाइट है <https://rchiips.org/nhfs> नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे- 5 अक्टूबर, 2021
- [9]. <https://stemis.gov.in/STC> मॉनीटरिंग सिस्टम
- [10]. योजना, जुलाई 2022, भारत में जनजातियाँ – पृ. क्र. 44–45